Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 08 फरवरी 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 132

तुर्की में आज फिर भूकंप, मरने वालों की संख्या 4000 के पार

❑ **हर तरफ तबाही ही तबाही**

इस्तांबुल। तुर्की में आज फिर से भूकंप के झटके लगे हैं। यह भूकंप सेंट्रल तुर्की में आया है जहां उसकी तीव्रता 5.6 रही। वहीं तुर्की-सीरिया में मंगलवार को आए भूकंप में मरने वालों की संख्या 4000 से अधिक हो गई है। हजारों लोग घायल हुए। दोनों देशों में भारी नुकसान हुआ। इसमें ईंधन पाइपलाइनों और तेल रिफाइनरियों में आग भी शामिल है। दोनों देशों की सीमा पर सोमवार तडक़े रिक्टर पैमाने पर 7.8 तीव्रता का भूकंप आया। बचाव दल जैसे ही ढही इमारतों के मलबे के नीचे से फंसे लोगों को निकालने और प्रभावितों के लिए आश्रय की व्यवस्था करने में जुटा, वैसे ही एक और भूकंप का एक और झटका आया। इसकी तीव्रता 7.5 थी। इससे क्षेत्र को हिला दिया। तुर्की के उप राष्ट्रपति फुआत ओकटे के अनुसार उनके देश में मरने वालों की संख्या बढक़र 2,379 हो गई है, जबकि दो भूकंपों के बाद 14,483 से अधिक लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों भूकंपों के बाद 145 आफ्टरशॉक्स आए, इनमें से तीन की तीव्रता 6 से अधिक थी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार सीरिया में सरकार और विद्रोहियों के कब्जे वाले क्षेत्रों में मरने वालों की संख्या 1,444 से ऊपर हो गई है। सोमवार तडक़े तुर्की के गाजियांटेप के पास 7.8 तीव्रता का भूकंप आया। इसके झटके काहिरा से बेरूत, बगदाद समेत पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र में महसूस किए गए। इसने इटली को सुनामी की चेतावनी घोषित करने के लिए भी प्रेरित किया। 7.5 तीव्रता का नया झटका दोपहर करीब 1.30 बजे आया। प्रभावित क्षेत्रों की तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं। कुछ प्राचीन सांस्कृतिक स्थलों को भी नुकसान पहुंचा है। सार्वजनिक और निजी संपत्ति का व्यापक विनाश हुआ है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के सलाहकार इनूर सेविक ने आपदा को व्यापक और विनाशकारी करार देते हुए कहा कि जीवित बचे लोगों को खोजने की कोशिश में संसाधनों की कोई कमी नहीं है। सेविक ने बताया, जो लोग जो

मलबे के नीचे फंसे हैं, उन्हें मौसम और खराब होने के पहले निकालना होगा। इन्हें बचाने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमारे पास रडार है, बॉडी सेंसर हैं, लेकिन आप जानते हैं कि इतनी व्यापक तबाही है कि आप हर जगह नहीं पहुंच सकते। आरटी ने बताया कि भूकंप के झटके तुर्की के 10 प्रांतों कहारनमारस, गाजियांटेप, सान्लिउर्फा, दियारबाकिर, अदाना, अदियामन, मालट्या, उस्मानिया, हटे और किलिस और सीरिया के उत्तरी अलेप्पो, हमा, लताकिया और टार्टस में महसूस किए गए। दोनों देशों में भूकंप ने प्रमुख बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुंचाया। ऑनलाइन प्रसारित फुटेज के अनुसार तुर्की के किलिस प्रांत में प्राकृतिक गैस पाइपलाइनें फट गईं। इससे आग की लपटें उठने लगीं। तेल और खनिज संसाधन मंत्रालय ने बताया कि सीरिया के सबसे बड़े बनियास शहर में एक रिफाइनरी की बिजली इकाई की चिमनी में दरार के कारण इसे कम से कम 48 घंटों के लिए बंद दिया गया। एहतियात के तौर पर ट्रेन सेवाएं भी बंद कर दी गईं। दुनिया भर के देशों के नेताओं ने तुर्की और सीरिया में बचाव प्रयासों में मदद के लिए सहयोग का संकल्प व्यक्त किया है। संयुक्त राष्ट्र संघ में एक मिनट का मौन रखा गया।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने तुर्की और सीरियाई समकक्ष रेसेप तैयप एर्दोगन और बशर अल असद को शोक संदेश भेजा और कहा कि उनकी सरकार मदद के लिए तैयार है। आरटी ने बताया कि आपदा स्थलों पर सहायता के लिए दोनों देशों में रूसी बचाव दल भेजे गए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक ट्वीट में कहा, तुर्की और सीरिया में भूकंप के कारण हुई जनहानि और तबाही से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैंने अपनी टीम को निर्देश दिया है कि वह तुर्की के साथ समन्वय कर हरसंभाव सहायता प्रदान करे।

ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने एक बयान में कहा, मेरे विचार आज सुबह तुर्की और सीरिया के लोगों के साथ हैं, विशेष रूप से उन लोगों के साथ, जो भूकंप से फंसे लोगों को बचाने के लिए बहादुरी से काम कर रहे हैं। यूके किसी भी तरह से मदद करने के लिए तैयार है।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने दोनों देशों में हुए नुकसान को भयानक बताया और कहा कि उनका देश आपातकालीन सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है, जबकि जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने कहा कि उनका देश मारे गए लोगों के रिश्तेदारों के साथ शोक मना रहा है और उन्हें बेशक मदद भेजेगा।

भारत ने कहा कि वह संकट की इस घड़ी में तुर्की की मदद के लिए तैयार है। भूकंप पर चिंता और सदमा व्यक्त करते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के 140 करोड़ लोग तुर्की में भूकंप पीड़ितों के साथ हैं।

महत्वपूर्ण एवं खास

मशहूर पखावज वादक दिनेश प्रसाद मिश्र को आया हार्ट अटैक, प्रदर्शन करते समय मंच पर मौत

लखनऊ (आरएनएस)। जाने-माने पखावज वादक और यूपी संगीत नाटक अकादमी (यूपीएसएनए) से सम्मानित 67 वर्षीय दिनेश प्रसाद की सोमवार शाम लखनऊ में सनतकदा महोत्सव में प्रदर्शन के दौरान मौत हो गई। वाद्य यंत्र बजाते हुए अचानक से उन्हें हार्ट अटैक आया और स्टेज पर गिर पड़े। लारी कॉर्डियोलॉजी सेंटर के डॉक्टरों ने उनकी मौत की पुष्टि की। प्रसाद इलियास हुसैन खान, इलियास खान, श्रीकांत शुक्ला, जीशान और सिद्दीकी जैसे अन्य संगीतकारों के साथ प्रदर्शन कर रहे थे। मौके पर मौजूद उत्सव की आयोजक, माधवी कुकरेजा ने कहा कि प्रसाद ने अपने प्रदर्शन के दौरान कुछ मिनटों के लिए पखावज बजाना बंद कर दिया, लेकिन बाद में फिर से शुरू कर दिया। इसी दौरान उन्हें कुछ बेचैनी महसूस हुई, तो उन्होंने एक गिलास पानी मांगा। लेकिन चंद पलों में ही वह मंच पर गिर पड़े। 1956 में मथुरा में जन्मे प्रसाद पखावज वादकों के मथुरा घराने से ताल्लुक रखते थे और उन्होंने अपने पिता बाबूलालजी से कला सीखी थी।

सांभर फेस्टिवल का आयोजन 17 से 19 फरवरी तक, उमड़ेगा सैलानियों का सैलाब

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान में पर्यटन की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए जयपुर जिला प्रशासन एवं पर्यटन विभाग के द्वारा आगामी 17 से 19 फरवरी तक सांभर महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने सांभर फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बताया कि काइट फेस्टिवल, धुलंडी फेस्टिवल, तीज फेस्टिवल और गणगौर फेस्टिवल के बाद अब सांभर फेस्टिवल देसी-विदेशी सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) अशोक कुमार शर्मा को सांभर फेस्टिवल का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं, महोत्सव में इवेंट्स के आयोजन, सैलानियों की सुविधाओं और जरूरी व्यवस्थाओं के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई है। अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि तीन दिवसीय सांभर महोत्सव में हर दिन कई खास आयोजन होंगे।

मासूम बच्ची की हत्या के दोषी को फांसी की सजा

इंदौर (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के इंदौर की एक अदालत ने एक वर्ष की मासूम बच्ची को दुष्कर्म के इरादे से लेकर जाकर उसकी निर्मम हत्या करने के मामले में दोषी पाए गए एक अभियुक्त को आजीवन कारावास और फांसी की सजा से दंडित किया है। न्यायाधीश सुरेखा मिश्रा ने कल इस मामले की सुनवायी के बाद दोषी पाए गए अभियुक्त सद्दाम को आजीवन कारावास और फांसी की सजा से दंडित किया है। शहर के आजाद नगर क्षेत्र में आरोपी सद्दाम ने पांच माह पूर्व एक वर्ष की मासूम बच्ची को बुरी नीयत से उठाकर अपने घर ले गया और उसके साथ बुरा काम करने का प्रयास किया। इसी बीच बच्ची के चिल्लाने पर आरोपी ने उसकी चाकू से 29 बार गोदकर उसकी निर्मम हत्या कर दी थी।

पीएफआई की देशविरोधी साजिश का खुलासा, टारगेट किलिंग करके माहौल बिगाड़ने की कोशिश, एनआईए ने पकड़ा गुर्गा

नई दिल्ली (आरएनएस)। पीएफआई माडयूल का भंडाफोड़ करते हुए एनआईए ने कई साजिशों से पर्दा उठा दिया है। एनआइए ने पीएफआई ट्रेनर सुल्तान उस्मान उर्फ याकूब के राइट हैंड बिलाल को गिरफ्तार कर लिया है। शक के आधार पर बिलाल की गिरफ्तारी मधुबन थाने के जितौरा से है। वहीं पूछताछ के दौरान उसने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। एनआईए की जांच में एक और बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। साजिश यह है कि

जिस तरह आतंकवादी कश्मीर में टारगेट किलिंग के जरिये माहौल बिगाडऩे की साजिश रचते हैं, ठीक उसी तरह से बिहार में प्रतिबंधित पीएफआई अब सशस्त्र ट्रेनिंग की जगह महत्वपूर्ण लोगों को टारगेट कर उन्हें जान से मारने की योजना पर कार्य कर रहा है। इसके पीछे उद्देश्य यही है कि सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़े और धार्मिक उन्माद फैले। इसके लिए काफी समय से हथियार और

गोली पहुंचाए जा रहे थे।

हरपुर किशुनी गांव के रहने वाले बिलाल से जब सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने कबूल किया कि वह पीएफआइ से जुड़ा हुआ है। याकूब उर्फ उस्मान के साथ संगठन के विस्तार में वह लगा था, उसने यह भी बताया कि मुजफ्फरपुर के बरूरात का परसौनी गांव पीएफआइ का शेल्टर है। वहां संगठन के राज्य सचिव रियाज मारूफ व ट्रेनर याकूब उर्फ सुल्तान उस्मान के साथ कई बैठकों में वह शामिल हुआ था।

आईएनएस विक्रांत पर पहली बार उतरा मिग-29के

कोच्चि (आरएनएस)। भारतीय नौसेना ने स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उस समय और बढ़ाया जब इसके पायलटों ने मिग-29के को पहली बार इस पोत पर उतारा। इससे नौसेना की लड़ाकू विमान वाहक डिजाइन, निर्माण और संचालन में भारत की शक्ति का प्रदर्शन हुआ है।

इस अवसर पर नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा , भारत के पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर पर स्वदेशी एलसीए नेवी की सफल लैंडिंग और टेक ऑफ, आत्मनिर्भर भारत के हमारे सामूहिक विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईएनएस विक्रांत के साथ विमान मिग-29के की पहली लैंडिंग भी लड़ाकू क्षमता के एकीकरण की शुरुआत करती है। इसे संभव बनाने वाले सभी लोगों को बधाई।

आईएनएस विक्रांत पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर है और हमारे देश द्वारा निर्मित अब तक का सबसे जटिल युद्धपोत है। यह गर्व की बात है कि जहाज को भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा स्वयं डिज़ाइन किया गया है और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित किया गया है।

यह जहाज 4 अगस्त, 2021 को पहले समुद्री परीक्षणों के लिए रवाना हुआ था। तब से, उसने मुख्य प्रणोदन, बिजली उत्पादन उपकरण, अग्निशमन प्रणाली, विमानन सुविधा परिसर उपकरण आदि के परीक्षणों के लिए समुद्री यात्रायें की।

इस युद्धपोत को 2 सितंबर, 2022 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था और इस कार्यक्रम में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि थे।

जम्मू-कश्मीर में नार्को-आतंकवाद चिंता का विषय : सेना

श्रीनगर (आरएनएस)। सेना ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में नार्को-आतंकवाद चिंता का विषय बनता जा रहा है। श्रीनगर शहर में बादामी बाग छावनी में इन्वेस्टिचर सेरेमनी के पहले सेगमेंट में एक सभा को संबोधित करते हुए भारतीय सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, कश्मीर नार्को-आतंकवाद में चिंताजनक वृद्धि देख रहा है। आगे कहा कि जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में सुरक्षा की स्थिति विशेष रूप से उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं के साथ विभिन्न एडवर्सली से इलाके और परिचालन गतिशीलता में कई चुनौतियां पेश करती है। हम राष्ट्र की लोकतांत्रिक परंपराओं को बरकरार रखते हुए भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हम लगातार निगरानी रख रहे हैं और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी

आवश्यक कदम उठाएंगे। भारतीय सेना भविष्य में किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है और हमेशा क्षेत्र के लोगों की भलाई के लिए काम करेगी। पिछले दो वर्षों में धारा 370 को निरस्त करने, गलवान संघर्ष और कोविड-19 की कई लहरों के मद्देनजर नई चुनौतियां सामने आई हैं। एलओसी पर स्थिति स्थिर बनी हुई है और संघर्षविराम जारी है। घुसपैठ के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए एक बहुत सख्त निगरानी और एक मजबूत प्रौद्योगिकी सक्षम बहु-स्तरीय काउंटर घुसपैठ ग्रिड को बनाए रखा जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि संघर्षविराम उल्लंघन, घुसपैठ की कोशिशों या विरोधी द्वारा किए गए किसी भी अन्य दुस्साहस से ²ढ़ता से निपटा जाएगा। बीते वर्ष घुसपैठ की कई कोशिशों को नाकाम किया गया है। कश्मीर नार्को-आतंकवाद में चिंताजनक वृद्धि देख रहा है, क्योंकि पाकिस्तान अब इसे अपने प्रॉक्सी युद्ध में एक नए उपकरण के रूप में उपयोग कर रहा है। इसके अलावा ड्रोन के माध्यम से ड्रग्स के साथ-साथ हथियार भेजने की दोहरी रणनीति अपनाई जा रही है। सीमा पार आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी आतंकवाद को सहायता प्रदान करती है। सुरक्षाबल इस खतरे को रोकने के लिए पहले से ही काउंटर ड्रोन उपाय शुरू कर चुके हैं। हमारा ध्यान सभी हितधारकों और एजेंसियों के साथ तालमेल बनाकर, शांति की शुरुआत करने और विकासात्मक गतिविधियों को शुरू करने के लिए हमारे खुफिया तंत्र को मजबूत करने पर केंद्रित है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि समग्र स्थिति में सुधार हो रहा है और सरकार की विकासात्मक पहलों को गति देने के लिए एक सकारात्मक और अनुकूल वातावरण बनाया गया है। शांति और स्थिरता का लाभ दूर-दराज के क्षेत्रों में लोगों तक पहुंच रहा है और वे इस शांति को बनाए रखने के लिए पूरे दिल से भाग ले रहे हैं। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति को लेकर उन्होंने कहा, यथास्थिति को एकतरफा बदलने के चीनी प्रयासों के प्रति सेना की प्रतिक्रिया भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा एक तेज, निडर और समन्वित कार्रवाई थी। उन्होंने यह भी कहा कि राजनयिक और परिचालन स्तर पर एलएसी की स्थिति को हल करने के उपाय भी साथ-साथ चल रहे हैं।मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर फिजिकल पेट्रोलिंग और तकनीकी माध्यमों से वर्चस्व कायम किया जा रहा है और हमारी क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित की जा रही है।

रॉटविलर कुत्ते ने किया बुजुर्ग पर हमला, मालिक को तीन माह की सजा

मुंबई (आरएनएस)। अगर आप भी खतरनाक कुत्ते पालने के शौकीन हैं तो यह खबर आपके लिए अति महत्वपूर्ण है। यहां एक रॉटविलर कुत्ते द्वारा एक बुजुर्ग पर हमला किए जाने के मामले में कुत्ते के मालिक को 3 माह जेल की सजा सुनाई गई है। सजा सुनाए जाने के वक्त कोर्ट ने कहा जब मालिक को पता था कि उसका कुत्ता आम जनता के लिए खतरा बन सकता है तो तो फिर मालिक को अपनी जिम्मेवारी निभानी चाहिए थी लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। यहां मुंबई में बिजनेसमैन के रॉटविलर कुत्ते ने बुजुर्ग पर 13 साल पहले हमला किया था। तब कुत्ते ने बुजुर्ग को बुरी तरह से जख्मी कर दिया था। इस मामले में मुंबई की अदालत ने अब फैसला सुनाया है। 30 मई 2010 को सांताक्रूज में दो लोग आरोपी बिजनेसमैन हरमुसी की कार के पास खड़े होकर बात कर रहे ।. उस समय कार के अंदर हरमुसी के दो कुत्ते जिनमें एक लेब्राडोर और दूसरा रॉटविलर बैठे थे।

गाड़ी के पास खड़े दोनों लोगों को देखकर यह दोनों कुत्ते जोर जोर से भौंकने लगे। ऐसे में हरमुसी ने कार का गेट खोलकर इनमें से रॉटविलर को बाहर निकाल दिया, जिसने दौड़ कर 72 साल के बुजुर्ग करसी इरानी के ऊपर हमला कर दिया।इरानी ने कुत्ते और कुत्ते के मालिक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी, तब से यह मामला अदालत में लंबित था।

हर मरीज की मौत को चिकित्सकीय लापरवाही नहीं कहा जा सकता : केरल हाईकोर्ट

कोच्चि (आरएनएस)। केरल हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है कि प्रत्येक मरीज की मौत को चिकित्सा लापरवाही नहीं कहा जा सकता है। डॉक्टर को चिकित्सा लापरवाही के लिए केवल तभी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जब मरीज की मृत्यु उनके कार्यो के डायरेक्ट (प्रत्यक्ष) या निकट परिणाम के रूप में हुई हो और सिर्फ इसलिए नहीं कि दुर्घटना या दुर्भाग्य के कारण चीजें गलत हो गईं। इस तरह की लापरवाही के एक चिकित्सा पेशेवर पर आरोप लगाने के लिए पर्याप्त सबूत होना चाहिए। हाईकोर्ट ने साल 2006 में लैप्रोस्कोपी द्वारा नसबंदी की प्रक्रिया से गुजरने वाली 37 वर्षीय महिला की मौत के बाद लापरवाही से मौत और अन्य के आरोप में ट्रायल कोर्ट द्वारा दोषी ठहराए गए पांच चिकित्सा पेशेवरों (दो डॉक्टरों और तीन नर्सों) को बरी कर दिया।

अदालत ने आगे कहा कि डॉक्टर स्वयंसेवक हैं, जो पृथ्वी पर मानव शरीर की सबसे जटिल, नाजुक और जटिल मशीन से निपटने का जोखिम उठाते हैं। जब चीजें गलत हो जाती हैं, तो यह हमेशा डॉक्टर की गलती नहीं होती है। एक जटिलता अपने आप में लापरवाही नहीं है। एक प्रतिकूल या अप्रिय घटना और लापरवाही के बीच एक बड़ा अंतर होता है। हालांकि, डॉक्टर पर प्रतिकूल या अप्रिय घटना का आरोप लगाने की प्रवृत्ति (टेंडेंसी) बढ़ रही है।

अदालत ने यह भी कहा कि चिकित्सा लापरवाही के लिए एक चिकित्सा पेशेवर को दोषी ठहराने

के लिए, अभियोजन पक्ष को उचित संदेह से परे दोषी और घोर लापरवाही साबित करनी होगी। अदालत ने आगे कहा कि जनता के बीच प्रतिकूल और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद चिकित्सकों पर आरोप लगाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिससे ऐसे चिकित्सकों के लिए पेशेवर क्षति और भावनात्मक पलायन हो रहा है।

जहां निचली अदालत ने अभियुक्तों को साधारण कारावास की सजा सुनाई, वहीं हाईकोर्ट ने बारीकी से जांच के बाद निष्कर्ष निकाला कि चिकित्सा लापरवाही का मामला अभियुक्तों के खिलाफ नहीं टिकेगा और उन्हें बरी कर दिया

अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाला, सुप्रीम कोर्ट ने क्रिश्चियन मिशेल की जमानत याचिका की खारिज

नई दिल्ली । आरएनएस

सुप्रीम कोर्ट ने ब्रिटिश नागरिक और अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाले के आरोपी क्रिश्चियन मिशेल की जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और जे.बी. पारदीवाला की बेंच ने कहा कि आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 436ए मौजूदा मामले में लागू नहीं होगी। धारा 436ए उन विचाराधीन कैदियों को जमानत पर रिहा करने की अनुमति देती है, जिन्होंने दोषी ठहराए जाने पर अधिकतम सजा की आधी सजा पूरी कर ली हो।

शीर्ष अदालत को बताया गया कि मिशेल 4 साल से अधिक समय से हिरासत में है।

सुनवाई के दौरान, बेंच ने मिशेल के वकील से सवाल किया, आप कैसे आश्वस्त करेंगे कि वह देश से बाहर नहीं जाएंगे होगा?, इस उन्होंने जवाब दिया कि एजेंसियों ने तीन बार दुबई में उनके मुवक्किल से मुलाकात की, जहां उन्होंने पूरा सहयोग किया था।

मिशेल का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील अल्जो जोसेफ ने तर्क दिया कि सभी सह-आरोपियों को एक ही अपराध के संबंध में प्रत्यर्पित किया गया था, उन्हें जमानत दे दी गई है, हालांकि उनके मुवक्किल ने आधी सजा काट ली है।

ईडी और सीबीआई का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल संजय जैन ने कहा कि आरोपों में मनी लॉन्ड्रिंग, जैसे कई बड़े मामले शामिल हैं। हालांकि, पीठ ने कहा कि इस मामले में कोई चार्जशीट दायर नहीं की गई है और जांच के साथ-साथ हिरासत अभी भी जारी है।

पीठ ने सवाल किया, आखिरकार आप उन्हें कब तक हिरासत में रखेंगे, कुछ कहें.. एक समय बताएं।

पीठ ने जैन से कहा कि यह उनकी तरफ से ओपन एंडेड नहीं हो सकता है और जांच पूरी करने के लिए एक समय अवधि होनी चाहिए। जैन ने जवाब दिया कि जब तक रोगेटरी (एलआर) लेटर का जवाब नहीं दिया जाता तब तक कस्टडी जरूरी होगी। बेंच ने पूछा, एलआर की प्रक्रिया कब तक चलेगी?

दलीलें सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने मिशेल की जमानत याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया।